International Journal of Engineering Technology and Applied Science
(ISSN: 2395 3853) Vol. 9 Issue 6 June 2023

संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार में किशोरों के मध्य व्यवसायिक चयन सम्बन्धी तनाव की स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन (फैजाबाद शहर के संदर्भ में)

आराधना श्रीवास्तव[1] एवं डॉ. मीनाक्षी सक्सेना[2]

1. शोधार्थी, गृह विज्ञान, सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल (म.प्र.)
2. प्राध्यापक, गृह विज्ञान विभाग, शासकीय श्यामा प्रसाद मुखर्जी विज्ञान एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल(म.प्र.)

सारांश

प्रस्तुत शोध में संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के किशोरों के मध्य व्यवसायिक चयन सम्बन्धी तनाव की स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया गया है। शोध अध्ययन के न्यादर्श के रुप में फैजाबाद जनपद के 16 से 21 वर्ष के कुल 300 किशोरों का यादृच्छिक रूप से चयन किया गया है आंकड़ों के संग्रहण हेतु मानकीकृत उपकरणो का उपयोग किया गया है संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण एवं शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

प्रमुख शब्द – परिवार, ग्रामीण एवं शहरी किशोर, व्यवसायिक चयन, व्यवसायिक आकांक्षा

प्रस्तावना

भारत के विशाल मानव संसाधन शक्ति तब ही लाभप्रद हो सकती है, जब शिक्षा प्राप्त करने के बाद रोजगार प्राप्त करने में भी सक्षम हो, इस आयोग ने व्यावसायिक, प्राविधिक और अभियंत्रिकी की शिक्षा पर बल देते हुए व्यावसायिक शिक्षा के सन्दर्भ में कई सुझाव दिए। इस आयोग ने कहा कि शिक्षा को उत्पादकता से जोड़ने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया जाए।

प्रस्तुत शोध अध्ययन के अन्तर्गत विभिन्न परिवारों ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में जीवकोपार्जन करने वाले किशोर को व्यवसाय चयन संबन्धी तनाव की स्थिति पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन फैजाबाद शहर के सन्दर्भ में करने से ज्ञात हुआ है कि व्यावसायिक मार्गदर्शन की नितान्त आवश्यकता है, तथा व्यवसाय चयन हेतु आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षिक वातावरण का प्रभाव किशोरों पर पड़ता है। किशोरों में व्यवसायिक चयन हेतु व्यवसायिक पाठ्यक्रम की व्यवस्था होनी चाहिए इसके लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले परिवार के लिए कृषि, गृहविज्ञान पर आधारित कौशल शिक्षा पर आधारित पाठ्यक्रम की व्यवस्था की जानी चाहिए।

सम्बंधित साहित्य का पुनरावलोकन

डॉ. वंदना शर्मा (2014) वर्तमान अध्ययन ने किशोरों के बीच शैक्षणिक तनाव के विकास में कैरियर निर्णय लेने की भूमिका की जांच की। अध्ययन के लिए स्तरीकृत यादृ च्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके 360 किशोरों का एक नमूना चुना गया था। डेटा संग्रह के लिए शैक्षणिक तनाव और कैरियर निर्णय लेने की सूची के पैमाने का

उपयोग किया गया था। डेटा के विश्लेषण के लिए विभिन्न सांख्यिकीय तकनीकों जैसे टी–टेस्ट, विचरण का एकतरफा विश्लेषण और पियर्सन उत्पाद पल सहसंबंध का उपयोग किया गया था। अध्ययन के परिणामों से पता चला है कि शैक्षणिक संघर्ष, शैक्षणिक चिंता और कुल शैक्षणिक तनाव को छोड़कर शैक्षणिक तनाव के अकादमिक तनाव और शैक्षणिक दबाव आयामों पर महत्वपूर्ण अंतर देखा गया।

जू जिंग और जे डब्ल्यू रोजवेस्की (2018) चीनी माध्यमिक व्यावसायिक छात्रों के कैरियर निर्णय लेने की आत्म–प्रभावकारिता पर पारिवारिक प्रभाव के अध्ययन में पाया कि व्यक्तियों के करियर व्यवहार को समझने में कैरियर निर्णय लेने की आत्म–प्रभावकारिता एक महत्वपूर्ण निर्माण है। परिवार, सामाजिक समर्थन के एक प्राथमिक स्रोत के रूप में, किशोरों के कैरियर विकास और निर्णय लेने की प्रक्रिया पर पर्याप्त प्रभाव डालता है। इस अध्ययन ने 587 चीनी माध्यमिक व्यावसायिक छात्रों के कैरियर निर्णय लेने की आत्म–प्रभावकारिता की भविष्यवाणी करने में चयनित पारिवारिक चर की भूमिका की जांच की। पारिवारिक संरचनात्मक चर जो परिवार के सदस्यों की सामाजिक आर्थिक स्थिति और पारिवारिक प्रक्रिया–उन्मुख चर, विशेष रूप से माता–पिता के करियर से संबंधित व्यवहारों को दर्शाते हैं, की जांच की गई। परिणामों से पता चला कि चीनी माध्यमिक व्यावसायिक छात्रों के लिए इस निर्माण के 38.3% विचरण की व्याख्या करते हुए, कैरियर के निर्णय लेने की आत्म–प्रभावकारिता की भविष्यवाणी करने में माता–पिता का सामान्य मनोसामाजिक समर्थन एक सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण कारक था।

न्यादर्श का चयन

शोध अध्ययन के न्यादर्श के रुप में फैजाबाद जनपद के 16 से 21 वर्ष के कुल 300 किशोरों का चयन किया गया है जिसमें संयुक्त परिवार की 75 नगरीय और 75 ग्रामीण कुल 150 किशोरों तथा एकल परिवार की 75 नगरीय और 75 ग्रामीण कुल 150 किशोरों को फैजाबाद जनपद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र से चयन किया गया है।

शोध के उद्देश्य

- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करना।
- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा पर प्रभाव का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाएं

H_{01}. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

H_{02}. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध प्रविधि

वर्तमान अध्ययन उत्तरप्रदेश के फैजाबाद जिले में किया गया शोध के लिए अध्ययन क्षेत्र से 300 किशोरों को शोध के उद्देश्य के लिए यादृच्छिक रूप चुना गया। आंकडों को उपरोक्त चयनित उत्तरदाताओं से डॉ. विजया लक्ष्मी व डॉ. श्रुति नारायण द्वारा विकसित मानकीकृत उपकरण तथा डॉ. सविता आनन्द द्वारा निर्मित उपकरण की सहायता से एकत्र किया गया।

परिकल्पना क्र. 1

H_{01}. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 1 : संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–मान

चर/ समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी– सारणीमान	परिकलित टी–मान	सार्थकता 0.05 स्तर
संयुक्त परिवार के ग्रामीण किशोर	75	115.32	12.545	1.98	1.001	असार्थक (NS)
एकल परिवार के ग्रामीण किशोर	75	113.40	10.883			

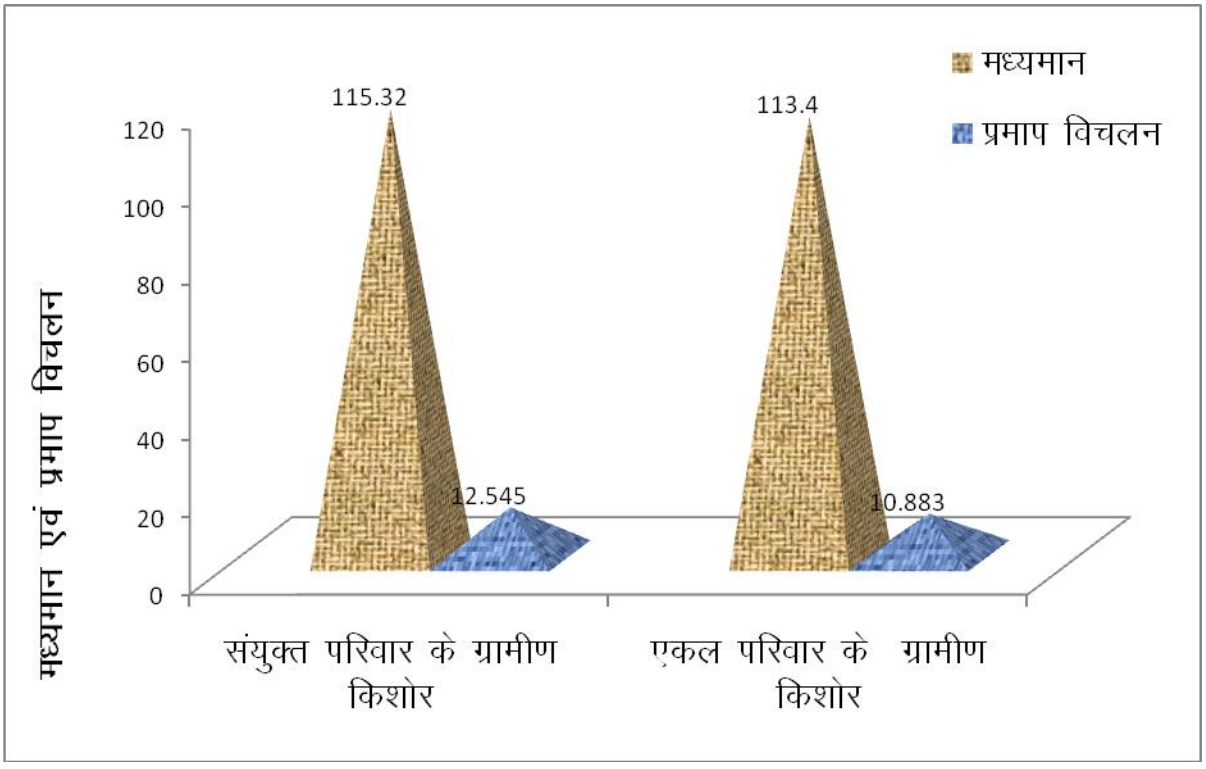

विश्लेषण – उपर्युक्त तालिका में संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान क्रमशः 115.32 एवं 113.40 दर्शाये गये हैं। इनके आधार पर गणना द्वारा टी मान (Calculated 't' value) 1.001 प्राप्त हुआ है। 148 (df) स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर का मान क्रमशः 1.98 सारणी में दिया गया है। गणना द्वारा प्राप्त टी मान सारणी में दिए गए मान से कम है। अतः निर्धारित शून्य परिकल्पना ''संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत की गई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

परिकल्पना क्र. 2

H_{02}. संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।

तालिका 2 : संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान, प्रमाप विचलन एवं टी–मान

चर / समूह	संख्या	मध्यमान	प्रमाप विचलन	टी– सारणीमान	परिकलित टी–मान	सार्थकता 0.05 स्तर
संयुक्त परिवार के शहरी किशोर	75	119.24	11.464	1.98	1.717	असार्थक (NS)
एकल परिवार के शहरी किशोर	75	116.05	11.247			

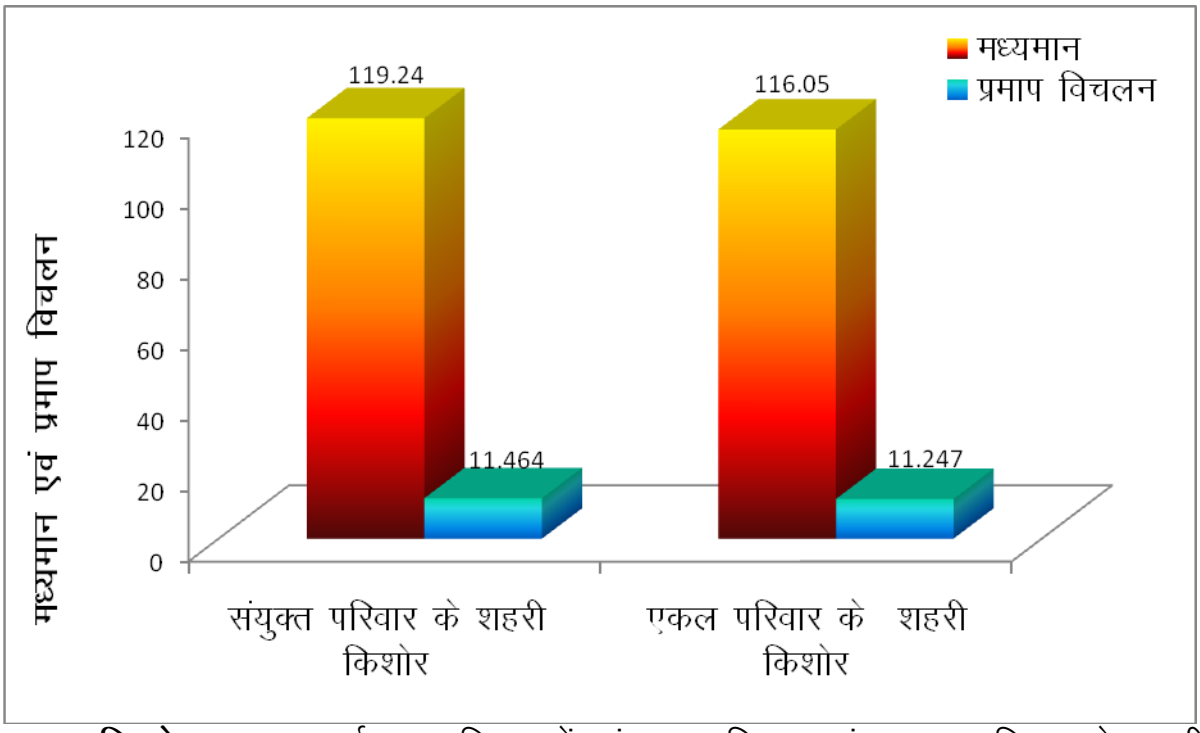

विश्लेषण – उपर्युक्त तालिका में संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा का मध्यमान क्रमशः 119.24 एवं 116.05 दर्शाये गये हैं। इनके आधार पर गणना द्वारा टी मान (Calculated 't' value) 1.717 प्राप्त हुआ है। 148 (df) स्वतंत्रता के अंश पर .05 सार्थकता स्तर का मान क्रमशः 1.98 सारणी में दिया गया है। गणना द्वारा प्राप्त टी मान सारणी में दिए गए मान से कम है। अतः निर्धारित शून्य परिकल्पना ''संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं है।'' स्वीकृत की गई। इस आधार पर कहा जा सकता है कि संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया।

निष्कर्ष :

उपरोक्त तथ्यों से निष्कर्ष निकलता है कि

- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के ग्रामीण किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।
- संयुक्त परिवार एवं एकल परिवार के शहरी किशोरों के मध्य व्यवसाय के चयन के कारण उत्पन्न तनाव से व्यवसायिक आकांक्षा में सार्थक अन्तर नहीं पाया गया है।

संदर्भ ग्रंथ सूची

Dr. Vandana Sharma (2014) Role of Career Decision-Making in the Development of Academic Stress among Adolescents, International Journal for Research in Education (IJRE) Vol. 3, Issue:6, (IJRE) ISSN: (P) 2347-5412 ISSN: (O) 2320-091X

Xue Xing and Jay W. Rojewski (2018) Family Influences on Career Decision-Making Self-Efficacy of Chinese Secondary Vocational Students, New Waves Educational Research & Development, Vol. 21, No. 1, p. 48–67

आटो, आर. (1986) अ स्टडी आन टीचर अण्डर स्ट्रेश, मेलबोर्न; हिल ऑफ कान्टेन्ट पब्लिशिंग।

लाल, रमन बिहारी (2005) भारतीय शिक्षा और उसकी समस्याएं, मेरठ : रस्तोगी पब्लिकेशन्स।

सिंह, अरुण कुमार (2006) मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, पटना : मोतीलाल बनारसीदास।

सिंह, अरुण कुमार, शिक्षा मनोविज्ञान, पटना : भारती भवन।

श्रीवास्तव, डी.एन. (2004) अनुसंधान विधियाँ, आगरा : साहित्य प्रकाशन।